

[श्री संयद सिन्हे रजी]

हिन्दुस्तान को बचा सकेंगे, मुल्क की जम्हूरियत को बचा सकेंगे, लोकतंत्र को बचा सकेंगे ।

ALLOCATION OF TEKE^T FOR DISPOSAL OF GOVERNMENT LEGISLATIVE BUSINESS

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Before I call the next speaker, I have to make an announcement.

I have to inform Members that the Business Advisory Committee, at its meeting held today, the 3rd January 1991, allotted time for Government legislative business as follows:—

Business	Time Allotted
1. Consideration and passing of the following bills after these are passed by the Lok Sabha:	
(a) The public Liability Insurance Bill, 1990.	1 hr.
(b) The Jute Manufacturers Development Council (Amendment) Bill, 1990.	2 hrs.

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE—COMMUNAL SITUATION IN THE COUNTRY— (contd.)

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Yes, Mr. Rafique Alam.

श्री रफीक आलम (बिहार) : उप-सभाध्यक्ष जी, मैं ज्यादा वक्त नहीं लेना चाहता क्योंकि मैं बहुत दुखी हूँ। आंध्र जो कुछ देखती है, सब पर आ सकता

नहीं। खून, कत्ल, गारतगिरी के वाक्यात जो हुये हैं पूरे हिन्दुस्तान के ज्यादातर हिस्से में, वह इतनाई शर्मनाक हैं और यही नहीं, मारने वाला कोई दूसरी कंट्री का नहीं—मारने वाले भी हिन्दुस्तानी, मारे जाने वाले भी हिन्दुस्तानी और करोड़ों की जायदाद का नुकसान जो हुआ, क्या यह पाकिस्तान का नुकसान हुआ या चीन का नुकसान हुआ? यह तो आखिर भारत का ही नुकसान हुआ।

आजादी के 43 साल के बाद हमारे हिन्दुस्तानी अपने को हिन्दुस्तानी नहीं समझे, तो इससे बढ़ कर शर्म की बात कुछ हो नहीं सकती। मुझे इस बात का दुख है कि जितने फिरोजपुरा फिसाद अब तक हुये एक मुहज्जब मुल्क हिन्दुस्तान में, किसी को आज तक सजा नहीं हुई। अगर सजा होती, तो यह वाक्यात नहीं होते।

आप जानते हैं कि ऐसे मामले में क्रिमिनलज ज है, जिसका कोई धर्म नहीं—न वह मुसलमान है, न हिंदू, न सिख और न ईसाई है, इनका एक ही काम रहता है लूटना। इन लोगों को यह काम मिल जाता है जब ला एण्ड आर्डर खराब होता है और यह लूटते हैं और जलाते हैं।

अब इस तरह से मासूम बच्चों का कत्ल करना, औरतों को जिंदा जला देना यह इतनाई शर्मनाक है कि आजाद हिन्दुस्तान में इस तरह के वाक्यात हो रहे हैं। पता नहीं बाहर के लोग क्या समझेंगे। अभी हमारे हाशमी साहब ने कहा भी कि वह अमरीका में गये थे—हालांकि जगन्नाथ आजाद जी बहुत बड़े शायर हैं, उन्होंने कहा कि हमें शर्म महसूस हुई जब वहां के लोगों ने कहा पता नहीं सियासी ताकत को हासिल करने के लिए मजहब और धर्म को अगर हथियार बनाया जाए, तो इससे बढ़ कर मुल्क के लिए कोई शर्मादंगी नहीं हो सकती। मेरे पास अलफाज नहीं हैं कि मैं बताऊं कि आखिर इस मुल्क को क्या हो गया है। ठीक है वोटर्स वो देगे। आप अपने मेनिफेस्टो दीजिए, लेकिन वोटर्स को खत्म करके, तब आप चाहते हैं

वोट लेना। यह कहाँ का ईसाफ है और यह पूली नसलकुशी है, जेनीसाईड है।

इसलिए मैं सहाय जी से कहना चाहूँगा कि आप यह मत परवाह कीजिए कि आपकी हुकूमत कितने दिनों के लिये है। आप जब तक इस कुर्सी पर हैं, इसकी मर्यादा को निभाइये। तो इस कुर्सी पर सरदार बल्लभभाई पटेल बैठे थे, गोविन्द बल्लभ पन्त जी बैठे थे। यह कोई मामूली कुर्सी नहीं है कि साहब मारे जाते हैं लोग और कोई एडमिनिस्ट्रेशन नहीं। अलीगढ़ के बारे में मुझे बहुत ही अफसोस के साथ कहना पड़ता है, मैंने आपको भी टेलीफोन किया था कि वहाँ हिन्दु-मुसलमान कम, पी०ए०सी० और भारतीय मुस्लिमज का हो और यही नहीं जबकि मौजूदा एस० एस पी ने, जो अभी मौजूदा एस० एस० पी० हैं जब उन्होंने रोका पी० ए० सी० को तो पी० ए० सी० वाले क्या कहते हैं, यह 'टाइम्स आफ इंडिया' की बात हम कह रहे हैं :

"The SSP is pro-Muslim. So he has ordered not to fire on them."

अगर हमारे एडमिनिस्ट्रेशन में, खवाह हमारे मजिस्ट्रेट हों या हमारी पुलिस हो या हमारी फौज हो, अगर प्रो हिन्दु या प्रो मुस्लिम होगा तो यह मुल्क कहाँ जाएगा ? इसलिए मैंने कहा कि आपने जो स्टेटमेंट दिया रांची में बहुत ही अच्छा स्टेटमेंट दिया, एंटी रायट्स फोर्स जरूर बनाइये और उसमें कंपोजिट फोर्स हो। उसमें हिन्दु भाई भी हों, मुसलमान भाई भी हों, सिख भाई भी हों, ईसाई भाई भी हों, पारसी भाई भी हों ताकि आपस में उन लोगों का इत्तफाक तो हो, यह तो नहीं कि साहब यह मुसलमान है इसलिए इसको गोली मार दी जाए। और आपसे मेरा निवेदन है कि आप जुडीशियल इन्क्वायरी करवाइये जितने दंगे हुए हैं और खवा उसमें लीडर्स हों, मजिस्ट्रेट्स हों या पुलिस हो, जो भी हों। क्रिमिनल एक्ट क्या है, किसी का मर्डर करना यह क्रिमिनल एक्ट है दफा 302 आई पो सी के तहत उसका यह ट्रायल होना चाहिए और ऐसे लोगों को सजा दीजिए

कोई वजह नहीं है कि हम एम० पी० हैं इसलिए हम कुछ भी बोल सकते हैं, हम कुछ भी दंगा-फसाद करा सकते हैं। आपको सुनकर ताज्जुब होगा उपसभाध्यक्ष जी,

* * *

इन लोगों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। अभी हमारे बी०जे०पी० के नेता लोग कह रहे थे, खुद बी०जे०पी० का एम०एल०ए० अलीगढ़ में, उन्होंने मोब लीड किया और यहीं नहीं आगरा का एम०एल०ए० बी०जे०पी० का, यह हरद्वार दुबे उन्होंने लीड किया, लेकिन कोई एक्शन नहीं। एम०एल०ए० या एम० पी० अगर हम हैं तो हम कानून से तो ऊपर नहीं हैं। यहाँ हिन्दुस्तान में कानून का राज है, एम०एल०ए० या एम० पी० का राज नहीं है। इसलिए ऐसे लोग जो जजबाती तकरीर करके लोगों को भड़काएं उनके खिलाफ आप एक्शन लीजिए। यही नहीं बल्कि मैं नेशनल प्रेस को दिली मुबारकबाद देता हूँ, उन्होंने सैकुलरिज्म और जम्हूरियत की लाज रखी। लेकिन उसके बरअकस वह "अमर उजाला" को देखिए, हिन्दी पेपर मैं आप लीजिए "जन जागरण" को और दूसरे हिन्दी अखबारात, उन्होंने इतनी जहर अफसानी की कि जहाँ फसाद नहीं होना था वहाँ फसाद कराया, लेकिन किसी अखबार को बंद नहीं किया गया, न उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही की गई और टी०वी० को टी०वी० तो अभी गवर्नमेंट के अंडर में है, 13 तारीख को टी०वी० पर मैंने अपने कानों से सुना कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने दो पी० ए० सी० के कांस्टेबल को स्ट्रेप किया। मैंने उसी वक्त बी० सी० से टेलीफोन पर बात की। बी० सी० ने कहा कि बिल्कुल सरासर गलत बात है। डी०एम० ने भी उसकी तरदीद की कि ऐसा कोई बाक्या हुआ नहीं है, लेकिन हमारे टी०वी० ने कह दिया और उसका नतीजा यह हुआ कि कानपुर में रायट हो गया, आगरा में रायट हो गया। टी०वी० भी वही काम कर रहा है जो पी०ए० सी० कर रही है। तो इससे खतरनाक और कोई बात नहीं हो सकती है। इसलिए आप अपने मीडिया को भी कंट्रोल कीजिए

*Expunged as ordered by the Chair.

[श्री रफीक आनम]

कि इस तरह की गलत बातें यह न करे और इस तरह से लोगों को नहीं भड़काये। यह आजाद मुल्क है। इसमें सब को रहने का हक है। चाहे हिन्दू भाई हो, मुसलमान भाई हों, सिख भाई हों, ईसा भाई हों, सभी का बराबर का हक है और उनकी जान-माल की हिफाजत करना हुकूमत का काम है। आज हुकूमत से क्यों विश्वास खत्म हो रहा है, क्यों एतबार खत्म हो रहा है? पुलिस मार रही है।

उपनभा यक्ष (डा० नगेन साँकिया) :
प्लीज कन्क्लूड।

श्री रफीक आनम : एक तो आपने आखिर में टाइम दिया, अब दो मिनट और दीजिये।

THE VICE-CHAIRMAN DR. NAGEN SAIKIA): Please conclude. You already taken much time.

श्री रफीक आनम : जो हमारी आजादी के मतवालों ने गीत गाया था—“सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्तां हमारा, हम बुलबुले हैं इसकी, ये गुलिस्तां हमारा। मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, हिन्दी हैं हम वतन हैं हिन्दीस्तां हमारा।” आज इस तरह की गीतों का महत्व हमारे लिये और भी बढ़ जाता है। इनके कैंसेट्स हों जिससे लोगों का आपस में प्रेम हो। हिन्दू धर्म कहां सिखाता है कि दूसरों से नफरत करें, जो भारतीय जनता पार्टी आज फैला रही है, नफरत का व्यापार कर रही है। वह तो कहता है कि चींटी को मारना भी पाप है। जीव हत्या मना है। वह हिन्दू धर्म प्रेम और अहिंसा का सबक सिखाता है, लोगों को मरने का नहीं। सिखों या मुसलमानों को मारना पुण्य है, यह नहीं कहता हिन्दू धर्म। जब चींटी को मारना पाप है तो मुसलमान या सिखों को मारना कहां का पुण्य है? इसलिये मैं कहना चाहता हूँ कि ऐसे लोग जो मजहब या धर्म के नाम पर नफरत फैला रहे हैं, इनके साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिये। वोट देने वाले लोग तो वोट देंगे, लेकिन हुकूमत को चाहिये कि कौन

मेरा वोटर है या नहीं है, इस पर ध्यान न दें। आपके लिये सब वोटर हैं और सब आपके हैं। इसलिये जो भी कानून तोड़े, चाहे मैं ही क्यों न हूँ या चाहे दूसरा हो, उसको आप सजा दीजिये ताकि लोग कानून के तहत रहे, कानून को अपने हाथ में न लें।

† [عشرى رفیق عالم (بہار): اپنے

ادھیلیٹیں؟

جائیں؟

ہے نہ؟

مگر؟

ہندوستان؟

شری

دوسری کثرت؟

ہندوستانی۔

اور پروٹوں کی جان؟

یہ پاکستان کا نقصان ہے۔

ہوا۔ یہ تو آخر عبادت کا ہی نقصان ہوا۔

آزادی کے ۲۳ سال کے بعد یہاں سے

لوٹ لینے کو محمدستان کے

اس۔

سکتی

فرقہ وارانہ مساجد

مفت ملک ہندوستان

تک سزا پائی ہوئی۔

واقعات ہیں۔

† [] Transliteration in Arabic Script.

لینا۔ یہ کہاں کا انصاف ہے اور یہ جوہری
 نسل کشی ہے۔ شیوسینکسٹ ہے۔
 اس نئے میں سبائے جیسے کہنا چاہو گے
 کہ آپ یہ صفت پرولہ کیجئے کہ آپ کی حکومت
 کتنے دافند کیجئے ہے۔ آپ جب تک لڑیں
 پر میں اچکی مرید ادا نہجائے۔ تو اس لڑی
 پر سردار ولجہ معالی پٹیل بیٹھے تھے۔ گوہ
 ولجہ بہت ہی بیٹھے تھے۔ یہ کوئی معمولی لڑی
 نہیں ہے کہ لوگ مارے جاتے ہیں اور
 کوئی ایڈمنسٹریشن نہیں۔ علی گڑھ کے بارے
 میں مجھے بہت ہی احساس کے ساتھ
 کہنا پڑتا ہے۔ میں نے آپ کو بھی ٹیلیفون
 کیا تھا کہ وہاں ہندو مسلمان کم۔ پی۔ پی
 سی اور بھارتیہ مسلم کے درمیان ٹکراؤ
 ہے۔ اور پی سی نے خودہ ایس۔ ایس۔ پی
 نے جو اچھی موجودہ ایس۔ ایس۔ پی ہیں
 جب انہوں نے روکاری لے سی کو تو
 پی۔ پی۔ سی والے کیا کہتے ہیں یہ شامس
 جان انڈیا کی بات ہم کہہ رہے ہیں۔
 "The SSP is Pro-Muslim. So he has
 ordered not to fine on them."
 ہر دمسلم اور بروہدو اگر یہ سمجھ رہے
 ایڈمنسٹریشن میں جو ان ہمارے بیچ بیٹ
 چل یا ہماری پولیس یا ہماری فوج ہو اگر
 پروہدو یا ہر دمسلم ہو گا تو یہ ملک بنا ملے
 تھا۔ اسلئے میں نے کہا کہ آپ سے جو ایڈمنسٹریشن

آپ جانتے ہیں کہ ایسے معاملے میں کہ مندر
 جو ہیں۔ جس کا کوئی دھرم نہیں نہ وہ
 ہندو ہے یا مسلمان۔ نہ سکھ اور جیسائی
 ہے۔ ان کا ایک ہی کام رہتا ہے۔ لوٹنا۔
 ان لوگوں کو یہ کام مل جاتا ہے۔ جب
 لا اینڈ آؤر خراب ہوتا ہے۔ اور یہ
 لوٹتے ہیں اور جلتے ہیں۔
 اب اس طرح سے معصوم بچوں کا
 قتل کرنا۔ عورتوں کو زندہ جلد دینا یہ
 انتہائی شرمناک ہے کہ آزاد ہندوستان
 میں اس طرح کے واقعات ہو رہے ہیں
 پتہ ہیں باہر کے لوگ کیا سمجھیں گے۔ اچھی
 ہمارے ہاشمی صاحب نے کہا کہ وہ امرت
 سکھ تھے۔ حالانکہ گولڈن ٹمپ آؤڈ جی بہت
 بڑے شاعر ہیں۔ انہوں نے کہا کہ ہمیں
 شرم محسوس ہوئی جب وہاں کے لوگوں
 نے کہا پتہ نہیں سیاسی طاقت کو حاصل
 کرنے کیلئے مذہب اور دھرم کو اگر ہٹا
 بنایا جائے تو اس سے بڑھ کر اس ملک
 کیلئے کوئی شرمندگی نہیں ہو سکتی۔ میرے
 پاس العاطف ہیں کہ میں بتاؤں کہ
 آخر اس ملک کو کیا ہو گیا ہے۔
 ٹھیک ہے وہ ٹرس ووٹ ہیں۔ آپ
 ایس۔ پی۔ پی۔ پی۔ پی۔ پی۔ پی۔ پی۔ پی۔
 کو جنم کر کے تب آپ جانتے ہیں وہ

”دیا راجی میں بہت ہی اچھا اسٹیٹمنٹ دیا۔ اینٹی رائٹس فورس ضرور بنائیے اور اس میں کمپوزٹ فورس ہو اس میں ہندو بھائی بھی بنو مسلمان بھائی بھی ہوں۔ جہکھ بھائی بھی ہوں۔ عیسائی بھائی بھی ہوں۔ یارسی بھائی بھی ہوں تاکہ آپس میں اس لوگوں کا اتفاق ہو۔ یہ تو میں کہ صاحب یہ مسلمان ہے اسلئے اسکو گولی مار دی جائے۔ اور آپ سے میرا ویدن ہے۔ کہ آپ جیوڈیشیل انٹوائٹری کر لیں جتنے دنگے ہوئے ہیں اور خواہ اسمیں لیدند ہوں۔ میجسٹریٹس ہوں یا پولیس ہو۔ جو مہی ہوں۔ کمرنل ایڈٹ کیا ہے۔ کسی کو مرڈر کرنا یہ کمرنل ایڈٹ ہے۔ دفعہ ۲۵۲ آئی۔ پی۔ سی کے تحت اسکا یہ ٹرائل ہونا چاہئے۔ اور ایسے لوگوں کو سنرا دیکھئے۔ کوئی وجہ نہیں ہے کہ ہم ایم۔ پی ہیں اسلئے ہم کچھ بھی لول سکتے ہیں۔ ہم کچھ بھی دلکا منساد کر سکتے ہیں آپ کو سن کر تعجب ہوگا آپ سمجھا دھکتی جی۔

اس لوگوں کے خلاف کوئی ایکشن نہیں لیا جارہا ہے۔ ابھی ہمارے لی۔ جے۔ پی کے ساتھ لوگ کہہ رہے تھے۔ خود لی۔ جے۔ پی کا ایم۔ ایل۔ اے۔ علیگڑھ میں۔ انہوں

نے ماب کو لید کیا۔ اور پی نہیں آکرہ کا ایم۔ ایل۔ اے۔ لی۔ جے۔ پی کا یہ پردہ دو بجے انہوں نے لید کیا۔ لیکن کوئی ایکشن نہیں لیا گیا۔ ایم۔ ایل۔ اے۔ یا ایم۔ پی۔ اگر ہم ہیں تو ہم قانون سے اوپر نہیں ہیں۔ یہاں ہندوستان میں قانون کا راج ہے۔ ایم۔ ایل۔ اے۔ یا ایم۔ پی کا راج نہیں ہے اسلئے ایسے لوگ جو مذمتی تقریریں کر کے لوگوں کو بھڑکائیں انہے خلاف آپ ایکشن لیجئے۔ یہی ہیں ملکہ میں نیشنل پریس کو دلی مبارکباد دیتا ہوں۔ انہوں نے سیکولرزم اور جمہوریت کی دلچ رکھی۔ لیکن اس کے برعکس ”امبر اجالا“ کو دیکھئے ہندی پریس میں آپ دیکھ لھئے۔ ”جن گارن“ کو اور دوسرے ہندی اخبارات نے اتنی زیر افشانی کی جہاں منساد نہیں ہونا تھا وہاں منساد کرایا۔ لیکن کسی اخبار کو بند نہیں کیا گیا۔ نہ انہے خلاف کوئی قانونی کاروائی کی گئی اور لی۔ وی کو لی۔ وی۔ تو ابھی گورنمنٹ کے انڈرس ہے۔ ۱۳ تاریخ کو لی۔ وی پر میں نے اپنے کانوں سے سنا کہ علیگڑھ میں مسلم یونیورسٹی کے اسٹوڈنٹ نے دو پی۔ اے۔ مٹی کے کانسیٹیل کو اسٹیک کیا۔ میں

نے اسی وقت دی۔ سی۔ کوٹلیفون پر
 بات کی۔ دی۔ سی۔ نے کہا کہ بالکل سراسر
 غلط بات ہے۔ ڈی۔ ایم نے بھی اسکی
 تردید کی کہ ایسا کوئی واقعہ نہیں ہوا لیکن
 ہمارے ٹی۔ وی۔ نے کہہ دیا۔ اور اسکا
 نتیجہ یہ ہوا کہ کانپور میں رائٹ ہو گیا۔ اگر
 میں رائٹ ہو گیا۔ ٹی۔ وی۔ بھی وہی کام کر
 رہا ہے۔ جو پی۔ اے۔ سی۔ کر رہی ہے۔ تو
 اس سے خطرناک اور لٹی بات نہیں ہو
 سکتی ہے۔ اسلئے آپ اپنے میڈیا کو
 بھی کنٹرول کیجئے کہ اس طرح کی غلط باتیں
 یہ نہ کرے اور اس طرح سے لوگوں کو نہیں
 بڑھکائے۔ یہ آزاد ملک ہے۔ اس میں
 سب کو رہنے کا حق ہے۔ چاہے ہندو بھائی
 ہو۔ مسلمان بھائی ہو۔ سکھ بھائی ہوں۔
 عیسائی بھائی ہوں۔ سبھی کو برابر کا حق
 ہے اور ان کی جان و مال کی حفاظت کرنا
 حکومت کا کام ہے۔ آج حکومت سے
 کیوں دشواری ختم ہو رہی ہے۔ کیوں اعتماد
 ختم ہو رہا ہے۔ پولیس مار رہی ہے۔
 آپ سبھا ادھیش (ڈائریکٹین
 سیکیا): پلینرنگلوڈ۔

شہری رفیق عالم: ایک تو آپ نے
ٹائم کم آفر میں ٹائم دیا ہے اب روٹ
اور دیکھئے۔

THE VICE CHAIRMAN (DR. ^AGESH SAIKIA): Please conclude. 5fou already have taken mucr time.

شری رفیق عالم! جو ہماری آزادی کے
منوال نے نیت نکھایا۔ "سارے جہاں
مے اچھا بندو بستان ہمارا"

میں بلدیوں میں اس کی یہ طمان
پہارا"

مذہب میں سکھاتا آپس میں
بہتر رکھنا۔

ہندی ہیں ہم وطن ہے ہندوستان
ہمارا۔"

آج اس لڑکے گیتوں کا مہو تھا کہ لڑے
اور بھی بڑھ جاتا ہے۔ ان کے کیسٹ ہوں
جس سے گلوں کا آپس میں پرسم ہو۔

نہیں دھڑم ہاں سکھاتے ہیں کہ دوسروں
میں نفرت کرو۔ جو سہارنپور جتنا پارٹی
آج پھیل رہی ہے۔ نفرت کا دیا پارٹی
ہے۔ وہ تو کہتا ہے جیونی کو مارنا بھی

پایا ہے۔ جو بتایا ہے۔ دہندہ صفر
میریم اور انہما کا سبق سکھاتا ہے۔

گوئیوں کو مارنے کا جنیہ یہ مسلمانوں کو مارنا پینے ہے یہ نہیں ہتھیامند دھرم

جب چھوٹی لگو مارنا پاپ ہے تو سلطان یا
سکھ کو مارنا کہاں کا پنیہ ہے۔ اس لئے
میں کہنا چاہتا ہوں کہ ایسے لوگ جو مذہب

یاد دھرم کے نام پر نفرت بھید رہے
 ہیں۔ آئے ساتھ سختی سے بٹا جانا چاہئے
 ووٹ دیے والے لوگ تو ووٹ دیتے۔
 لیکن حکومت کو چاہئے کہ کون میرا ووٹر
 ہے کون میرا ووٹر نہیں ہے۔ اس پر دھیان
 نہ دے۔ آپ کے لئے سب ووٹر ہیں اور
 سب آپ کے ہیں۔ اس لئے جو بھی مالوں توڑے
 چاہے میں میں کیوں نہ ہوں۔ چاہے دوسرا
 ہو۔ اسکو آپ سزا دیجئے۔ مائیکرو
 مالوں کے تحت ہیں۔ مالوں کو اپنے لئے
 میں نہیں لیں۔

SHRI JAGESH DESAI: I would like to point out one thing. He said that two were stabbed and that news was on the TV. If it is so, then from which source they got the information? Has any enquiry been made about it? Any action has been taken about the persons responsible? It has to be done.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): I think, the Minister will take note of it.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SUBODH KANT SAHAY): We will.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Now Kumari Alia. Please complete within two minutes.

कुमारी आलिया : सर, मेरा ताल्लुक फैजाबाद से है। यह समय मेरे लिये बहुत कम है। आनरेबल वाइस चैयरमैन सर, बाबरी मस्जिद राम जन्मभूमि इश्यू ने पूरे हिन्दुस्तान में दंगे का रूप ले लिया है और इस दंगे की जिम्मेदारी * जिन्होंने हिन्दुस्तान के सेकुलरिज्म को तोड़ दिया है, हिन्दुस्तान की गंगा-जमुनी तहजीब को तोड़ दिया है, हिन्दुस्तान के हिन्दू-मुस्लिम भाइयों के दिल को तोड़ दिया है और नफरत की एक आग फैला दी है ऐसी राजनीतिक पार्टी को वाइस चैयरमैन साहब सबसे पहले बैन किया जाय जो हिन्दुस्तान को तोड़ने में लगी हुई है, जो हिन्दुस्तान के हिन्दू-मुस्लिम भाइयों को लड़ाकर इस देश में खून-खराबा करवा रही है और हिन्दुस्तान के मुसलमानों को, जो अकलियत के लोग हैं, उनके ऊपर जुल्म कर रही है। बच्चों को मार रही है, जला रही है और हमारे हिन्दुस्तान की तमाम प्रापर्टी को नुकसान पहुंचा रही है। हमारा आपसे निवेदन है कि ऐसी पार्टी को तुरन्त बैन किया जाए जोकि हमारे संविधान के खिलाफ है, जो हमारे देश को तोड़ सकती है, बर्बाद कर सकती है। उनके नारों के ऊपर बैन लगाया जाय क्योंकि वे इस तरह के नारे लगाते हैं—“मुसलमानों तुम्हारे लिये कब्रिस्तान या पाकिस्तान।” मैं जानना चाहती हूं कि 1947 में जब भारत आजाद हुआ तो क्या उसके आईन में यह लिखा गया है कि हिन्दुस्तान में रहने वाला हिन्दुस्तानी नहीं है और उसके लिये कब्रिस्तान बनाया जायेगा? इस तरह की जजवाती स्पीच होती है।

*Expunged as ordered by the Chair.

हमें बड़ा अफसोस है कि हमारे बीच * हमारे राम जैसे महापुरुष को जिन्होंने अयोध्या में जन्म लिया, उनके नाम को बदनाम करने के लिए * * * ।

जहां रहीम राम जैसे महात्मा पैदा हुए हैं वहां बी.जे.पी. नाम की कोई चीज नहीं है। हमारे जिले में 10 सीट्स हैं, लेकिन वहां बी.जे.पी. की एक भी सीट नहीं है। न ही पालियामेंट में कोई सीट है और हम लोगों ने यह तय कर रखा है, कि भारतीय जनता पार्टी के लोग समझ लें कि हमारी अयोध्या में राम का मंदिर जरूर बनकर रहेगा। बाहर के लोग कतई नहीं आएंगे। वहां पर हिंदू-मुसलमान भाई एक हैं। बाहर की ताकतों को वहां आने से रोका जाए। बाहर की ताकतें वहां न जाएं। इस तरह के नारे न लगाए जाएं और राम के नाम को कलंकित न करें।

7 P.M.

मुझे अफसोस है कि अलीगढ़ में जो वाक्यात हो रहे हैं जिससे कि तमाम जगह पर इसकी चर्चाएं की जा रही हैं कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के लड़के जो 15 हजार की तादाद में हैं, वह हिंदू भाइयों के ऊपर हमले करते हैं। वे हिंदू भाइयों के ऊपर हमला करते हैं, यह गलत ख़ुमर है। इसकी जिम्मेदारी भी * जिन्होंने तमाम मुसलमानों को मार डाला, कत्ल कर दिया और तबाह और बर्बाद कर दिया और अब देश को तबाह और बर्बाद करने पर लगे हैं। लेकिन वे यह जान लें कि हिन्दुस्तान का 15-20 करोड़ मुसलमान इस मुल्क को तोड़ने नहीं देगा और वह गद्दारी का जो नारा लगा रहे हैं, उसे उन्हें बन्द करना होगा। हिन्दुस्तान का मुसलमान गद्दार नहीं है। जब भी इस देश के ऊपर कोई मुसीबत आई है उसके जिम्मेदार हमारे वे हिंदू भाई हैं जो हिन्दू राष्ट्र का नारा लगाते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान फैजाबाद की तरफ ले जाना चाहती हूँ। यह मामला जल्दी, आपसी सद्भाव और तालमेल से तय हो जाना चाहिए या कोई

*Expunged as ordered by the Chair.

ऐसा तरीका निकाला जाए जिससे राम के नाम की कलंकित न किया जाए। अभी मैं 23 तारीख को फैजाबाद जा रही थी तो वहां कार-सेवकों ने मुझे घेर लिया और कहा कि आप लोगों ने बहुत दिनों तक गरीबों हशमों का नारा लगाया, अब राम लाखों का नारा लगाना है। हम तो राम लाखों का नारा लगाने में बड़ा फल महसूस करते हैं इसलिए कि राम जैसे महापुरुष का नाम हम लोग बड़े आदर से लेते हैं। पर राम के नाम का यह नहीं मतलब है कि आप कत्ल करें, राम के नाम पर आप देश को तबाह और बर्बाद करें और राम के नाम पर आप दुबारा इस मुल्क को तोड़ दें, जैसा कि पंजाब और कश्मीर में आपके सामने हो रहा है। कूक आपने समय बहुत कम दिया, मैं कहना तो बहुत कुछ चाहती हूँ। 12 तारीख को फैजाबाद में भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने एक दूसरी मस्जिद को तोड़ा। क्योंकि हमारे आनरेबल मिनिस्टर सुबोध कान्त सहाय जी यहां पर मौजूद हैं, मस्जिद को तोड़ा तो हमने उसको इन्फारमेशन एडमिनिस्ट्रेशन को दी, मस्जिद टूटने के बाद उन्होंने कहा कि वहां पर जो मस्जिद तोड़ी गई है, वह आदमी का पागलपन है। मैं आपके माध्यम से चाहती हूँ कि इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए और जिन लोगों ने मस्जिद को तोड़ा है उनको तुरंत पतिश किया जाना चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Please conclude otherwise I will call the next speaker.

कुमारी आलिया : सर, एक मिनट में अलीगढ़ की बात कहना चाहती हूँ। ... अलीगढ़ दंगे की ज्यूडिशियल इन्क्वायरी होनी चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): No, please conclude.

कुमारी आलिया : उसकी ज्यूडिशियल इन्क्वायरी होनी चाहिए।

† [کٹاری عالیہ (انٹرنیشنل)؛ سر
میرالعلق فیض آباد سے ہے۔ یہ
میرے سب سے بہت لمبے ہیں۔
آئرلینڈ وائس چیرمین سپریمیری
مسیح رام جنم مہویشیہ نے پورے
ہندوستان میں گئے کاروبار لیا ہے۔
اور اس گئے کی ذمہ داری ہے۔ جنہوں نے
ہندوستان کے سیکولرزم کو توڑ دیا ہے
ہندوستان کی گنگا جی تہذیب کو توڑ
دی ہے۔ ہندوستان کے ہندو مسلم
بھائیوں کے دل کو توڑ دی ہے۔ اور انہوں
کی ایک آگ چھل دی ہے۔ ایسی راج
نیک بارلی کو وائس چیرمین صاحب
سب سے پہلے بین کیا جائے۔ جو ہندو
کو توڑنے میں نگی ہوئی ہے۔ جو ہندو
کے ہندو مسلم بھائیوں کو توڑ کر اس
دلیش میں خون فراہم کر رہی ہے۔ اور
ہندوستان کے مسلمانوں کو۔ جو اقلیت
کے لوگ ہیں ان کے اوپر ظلم کر رہی ہے
بچوں کو مار رہی ہے۔ جلا رہی ہے۔ اور
ہمارے ہندوستان کی تمام برابری کو
نقصان پہنچا رہی ہے۔ ہمارا سب سے
اور آپ سے نوین ہے کہ ایسی پارٹی
کو ترنت بین کیا جائے۔ جو کہ ہمارے
ہندوستان کے خلاف ہے۔ جو ہمارے

لش کو توڑ سکتی ہے۔ برادر سکتی
ہے۔ اگلے لکھنؤ کے اوپر بین لگایا جائے
تو کہ وہ اس طرح کے لکھنؤ لگاتے ہیں۔
مسلمانوں کو توڑ سکتے ہندوستان یا
پاکستان میں جاننا چاہتے ہیں کہ ۱۹۴۷
میں جب مجاہد آزاد ہوا تو کیا اس کے
آئین میں لکھا گیا ہے کہ ہندوستان میں
رہنے والا ہندوستانی نہیں ہے اور اس
کے لئے ہندوستان بنایا جائے گا۔
بڑا افسوس ہے کہ ہمارے پیچھے
ہمارے رام جیسے مہاتریش کو جنہوں نے
ایودھیا میں جنم لیا۔ اگلے نام کو بنام
کرنے کیلئے ہے۔ جہاں رام جیسے
مہاتریش ہوئے ہیں وہاں بی۔ جی۔ پی۔
نام کی کوئی چیز نہیں ہے۔ ہمارے جنم
میں ۱۰ سیٹس ہیں لیکن وہاں بی۔ جی۔ پی۔
نہیں ہے۔ نہ پارلیمنٹ میں کوئی سیٹ ہے
اور ہم لوگوں نے طے کر رکھا ہے کہ ہمارے
جنتا پارٹی کے لوگ سمجھ لیں کہ ہماری
ایودھیا میں رام کا مندر ضرور بنے گا
بن کر رہے گا۔ باہر کے لوگ قطعی نہیں
آئیں گے۔ وہاں ہر ہندو مسلمان بھائی ایک
ہیں۔ باہر کی طاقتوں کو وہاں لانے سے روکا
جائے۔ باہر کی طاقتیں وہاں نہ جائیں۔ اس
لکھنؤ کے لکھنؤ نہ لگائے جائیں اور رام

کے نام کو گلنکنت نہ کریں۔

مجھ امنوس ہے کہ آج علیگڑھ

میں جو واقعات ہو رہے ہیں جس سے

کہ تمام جگہوں پر اس کی چرچا کی جا

رہی ہیں۔ (علیگڑھ مسلم یونیورسٹی کے

لڑکے جو ۱۵ ہزار کی تعداد میں ہیں۔ وہ

ہندو معاشیوں کے اوپر حملے کرتے ہیں۔ یہ

غلط رویہ ہے۔ اسکی ذمہ داری بھی ہے

جنہوں نے تمام مسلمانوں کو

مار ڈالا۔ قتل کر دیا گیا اور تباہ ہو رہا کہ

دیا۔ اور اب دلش کو تباہ کر رہے

ہوئے ہیں۔ تین وہ یہ جان لیں کہ

ہندوستان کا ہندو ۵ بیس کروڑ مسلمان

اسی ملک کو توڑنے میں دلیگا۔ اور وہ

غذاری کا حوالہ دے گا ہے ہیں۔ اسے اس

مذکرنا ہوگا۔ ہندوستان کا مسلمان

غدار نہیں ہے۔ جب بھی اس دلش کے

اوپر کوئی مصیبت آئی ہے اس کے ذمہ دار

ہمارے وہ ہندو معاشی ہیں جو ہندو راشٹر

کا لفرہ لگاتے ہیں۔

اب سمجھا دھکیلتی مہودیم۔

میں آپ کا دھیان منہض آباد کی طرف

لے جانا چاہتی ہوں۔ یہ معاملہ جلدی

آئی سی سی جوا اور تال میل سے طے

ہو جانا چاہیے۔ یا توئی ایسا طریقہ لایا جائے

جس سے رام کے نام کو گلنکنت نہ لایا

جائے۔ ابھی ابھی میں ۲۳ تاریخ کو ندین

آباد جا رہی تھی تو وہاں کارسیدوں نے

مجھے گھیر لیا۔ اور کہا کہ آپ لوگوں نے

بہت دنوں تک مذہبی ہٹاؤ لفرہ لگایا اب

رام لڑو کا لفرہ لگانا ہے۔ ہم تو رام لڑو

کا لفرہ لگانے میں مدد فرما رہے ہیں

اس لئے کہ رام جیسے مہا پرش کا نام ہم

بڑے آدر سے لیتے ہیں۔ پیرام کے نام

کا یہ بغی مطلب ہے کہ آپ قتل کریں

رام کے نام پیر آپ دلش کو تباہ کر رہا

کر دیں۔ اور رام کے نام پیر دوبارہ اس

ملک کو توڑ دیں۔ جیسا کہ پنجاب اور کشمیر

میں آپ نے پہلے سے ہو چکا ہے۔ چونکہ آپ

نے مجھے بہت کم دیا ہے۔ میں کہنا تو بہت

کچھ جاتی ہوں۔ [۱۲ تاریخ کو ندین آباد

میں معاشیہ جنجاری کے لوگوں نے ایک

دوسری مسجد کو توڑا کیونکہ ہمارے آنسو

منبر مسجد کا منبر سہلے میاں پر

موجود ہے۔ مسجد کو توڑا تو اسکا انٹارین

ہم نے ایڈمنسٹریشن کو دیا۔ لہذا ہندو

مسجد ٹوٹنے کے بعد کہ وہاں پیر جو مسجد

توڑی گئی ہے وہ پگھل رہا ہے۔ میں آپ

میں آپ کے ماحدیم سے
چاہتی ہوں کہ اسکی انکوائری
ہونی چاہئے۔ اور جن لوگوں
نے مسجد کو توڑا ہے انکو توبہ
پیش کیا جائے۔۔۔۔۔]

-THE VICE-CHAIRMAN - (DR. NAGEN SAIKIA): Please conclude otherwise I will call the next speaker.

†[کلمہ - سر ایک ملت

میں عایکوشہ کی بات کہنا چاہتی
ہوں علی گڑھ دیکھ کی جوڈیشیل
انکوائری ہونی چاہئے۔]

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): No, please conclude.

श्री भंवर लाल पंधार (राजस्थान):
सांप्रदायिक स्थिति की इस चर्चा पर
राम, रहीम, गुरु नानक, महात्मा गांधी
के भारत के हर नागरिक का हाल में
हुये सांप्रदायिक दंगों के लिये विश्व के
सामने सिर झुकता है।

महोदय, कुछ पार्टियों ने राष्ट्र
हितां को ताक पर रखकर सत्ता में
आना ही एकमात्र उद्देश्य बना लिया
है और यही कारण है कि यह सांप्रदायिक
स्थिति पैदा हुई है।

महोदय, इतिहासकार जब भारत का
इतिहास लिखेंगे तो दिसम्बर, 1989
से नवम्बर, 1990 का वर्ष काले अक्षरों
में लिखेंगे और वह सदैव रक्त-रंजित
प्रतिष्ठित होता रहेगा। मैं समय की
कमी के कारण केवल राजस्थान, जहां
से मैं आता हूं, उसके संबंध में ही कुछ

†[] Transliteration in Arabic Script.

चर्चा करना चाहूंगा कि जहां भारत
की आजादी के पूर्व और पश्चात भी
अब तक कोई दंगा नहीं हुआ था और
न कभी कर्फ्यू का नाम सुना था; वहां
पर इस राजस्थान की भारतीय जनता
पार्टी की सरकार ने एक काला दाग
लगा दिया जोधपुर पर, जहां का कोई
भी नागरिक यह नहीं समझ पा रहा
था कि कर्फ्यू क्या होता है। औरतें
बाहर निकलकर जो वहां सेना के जवान
धमते थे उनसे पूछती थीं कि आप
किस समय आगे जा रहे हो, आगे
जाओगे तो हम बाहर निकलेंगे। ऐसी
उनके दिल में इस कर्फ्यू के बारे में
बात थी, वह इस कर्फ्यू को जानती
नहीं थीं। जोधपुर में प्रथम बार जान
और माल की इतनी ज्यादा हानि हुई
और वहां उन सांप्रदायिक दंगों को
भड़काने के लिये स्वयं भारतीय जनता
पार्टी के, विश्व हिन्दू परिषद के और
बजरंग दल के लोगों ने स्वयं इस प्रकार
से एक सुनियोजित दंग से इस कार्रवाई
को, इस सांप्रदायिक दंगे को बढ़ाया।
मान्यवर, मैं आपके सामने इंस्टेंसिज
रख रहा हूं कि स्कूटर में पेट्रोल भरे
हुये, पार्सि साथ में रखते हुये, उस पार्सि
से पेट्रोल खींच-खींच कर इस प्रकार
से आगजनी की गयी और ऐसी ही
शंयकर वहां की स्थिति पैदा हो गयी कि
उन्हें लगभग 10 दिन तो पूरा रात
और दिन का कर्फ्यू बोलना पड़ा। जिनके
पास खाने के लिये कुछ नहीं था उनके
लिये बड़ी भारी दिक्कत पैदा हो
गयी। महोदय, सांप्रदायिक सद्भाव
बनाने के लिये कांग्रेस ने उस समय
इतना काम किया और 8-10 लाख
रुपये की वहां की जनता को राहत
दी। हमारे कांग्रेस के अध्यक्ष के कारण
पूरे भारतवर्ष में शांति की सभायें
आयोजित की गयी। इसी प्रकार मेरी
मांग है कि जोधपुर के दंगों के लिये
जो कि बहुत भारी मात्रा में हुये हैं
वहां पर राजस्थान के मुख्य मंत्री लगभग
दो-हाई माह होने जा रहे हैं स्थिति को
देखने तक नहीं आये। यह स्वयं में
उनकी गिल्टी कांफेस है। भारतीय जनता
पार्टी के स्वयं बड़े लीडर जो एफ-आई-
आर में नामजद हैं उनको अभी तक

गिरफ्तार नहीं किया गया है, न उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही ही की गयी है। इसलिये उसकी न्यायिक जांच हाई कोर्ट का जज मुकर्रर करके करायी जाये ताकि जनता को राहत मिल सके और भविष्य में ऐसा कोई काम न होने पाये। इसके लिये मैं इस सदन के माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा। आपने समय दिया, उसके लिये बहुत-बहुत धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Dr. Vijaya Mohan. Redily. please be brief.

DR. Q. VIJAYA' MOHAN.. REDDY: Mr, Vice-Chairman, Sir, I am extremely thankful to you for giving me this opportunity.

The communal violence in the country has filled us with sorrow. The occurrence of communal riots; in almost all the States and the speed with which they spread has made the people worry about the future of the country's unity. The country's future has become a big question mark before every countryman

The law and order machinery has completely failed in almost all the States. This has to be properly understood by the Home Ministry. The proposal of setting up an anti-riot force, which has been postulated, should be (immediately ipplemented.

I want to caution the Government about the new philosophy, the new ideology, which is being propagated by people who had never taken part in the freedom movement. There is the talk of Hindutva, Hindu Rashtra, pseduo-secularism, etc. This is nothing but an attempt at creating an ideological wedge by certain forces who had never taken part in the freedom struggle. We should all counter it. In the first War of Independence in 1857, Hindus and Muslims in their tens of thousands shed their blood in their tight against the Britishers. All classes of people, all categories of people, *sepoys*, peasants, everybody

shed their blood. Finally all the people united under the leadership" of Bahadur Shah Zafar to fight the Britishers. Where was communalism then? Did we hear of communal riots before the advent of the British in our country? There was *no* communal violence then. Oudh was the "centre of revolution of Northern India. In Ayodhya, Hindu and Muslim patriots were hanged by a tree and the" tree was uprooted by the Britishers" because that tree was being worshipped by Hindus and {Muslims. **The**. Britishers brought in the 'divide-; and rule' policy because' as long as the - Hindus and Muslims; - remained united, there- was--no. chance for them to rule the country. This was their philosophy. It was this reactionary philosophy which made the people fight in 1905 to keep Bengal united. For the unity of Bengal people shed their blood. Similarly, in all the struggles connected with the freedom movement, Hindus and Muslims shed their blood. It was this reactionary philosophy propagated by the Britishers which led to the division of the country and it is the same kind of reactionary ideology today which wants to thwart the development of the country, the reactionary ideology represented by vested interests in the country. Those people have never taken part in the freedom struggle. Has RSS taken part, has Hindu Mahasabha taken part, has the Muslim League taken part? Never. They were acting for the British. This has to be understood clearly by our countrymen. We will have to defeat this ideology. For this a consistent struggle is necessary. Every village district and State must have its own peace committees. People must *come* forward and the Government must encourage them to fight those disruptive elements. Now. there is awareness among artists, journalists, intellectuals and others. Everyone in this country is coming forward. This opportunity should be taken by the Government to see that these communal forces are not allowed to raise their heads. They are the danger for this country. That is why I tequest

Dr. G. Vijaya Mohan Reddy]
the hpir Home Minister and the Ministry to think that the country's future is at stake and they will have to act,, act quickly like Shri Vallabh-bhai Patel who banned the RSS. Will this Government have those gutts? Yes, we have to take action against those communalists with firmness. I appeal to the Home Minister to take action. on all these matters.

About the Mandir and Masjid issue, there must be understanding between, the Hindus and the Muslims. If there is no agreement, the High Courf decision must be final. We are a country governed by law and the

Constitution. Nobody can go against either the law or the Constitution of the country. Thank you.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Hon. Members, the i discussion on communal sition is over and the Prime Minister will reply to it tomorrow after the Question Hour. Now the House stands adjourned till 11. 00 a. m. tomorrow.

The House then adjourned at thirteen minutes past seven of the clock till eleven of the clock on Friday, the 4th January, 1991.